संपादकीय

संकट में मदद को आगे आये सरकार

वैश्विक सलाहकार कम्पनी मैकेंजी ने अक्तूबर 2020 के एक अध्ययन में कहा था कि यूरोप के छोटे उद्योगों का स्वयं का अनुमान है कि आधे उद्योग आने वाले 12 माह में बंद हो जायेंगे। भारत की परिस्थिति ज्यादा दुष्कर है क्योंकि हमारे छोटे उद्योगों ने लॉकडाउन के साथ-साथ नोटबंदी और जीएसटी की मार भी खाई है। ई-कॉमर्स और बड़ी कंपनियों ने छोटे उद्योगों के बाजार पर कब्ज़ा कर लिया है।

विषय यह है कि छोटे उद्योग यद्यपि माल महंगा बनाते हैं परन्तु वे हमारे भविष्य के उद्यमियों के इनक्यूबेटर अथवा लेबोरेटरी भी हैं। आज का छोटा उद्यमी कल बड़ा हो सकता है। धीरुभाई अम्बानी किसी समय छोटे उद्यमी थे। यदि उनके छोटे उद्योग को पनपने का अवसर नहीं मिलता तो वे कभी बड़े भी नहीं होते। साथ ही ये भारी संख्या में रोजगार सृजित करते हैं। रोजगार उत्पन्न होने से जनता की सृजनात्मक क्षमता उत्पादक कार्यों में समाहित हो जाती है। यदि हमारे युवाओं को रोजगार नहीं मिला तो वे अंततः आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होंगे जो हो भी रहा है। औरंगाबाद, महाराष्ट्र के विश्वविद्यालय के प्रोफेसर की माने तो उनके एमए पढ़े छात्र भी अब एटीएम तोड़ने जैसे कार्यों में लिप्त हो गये हैं, चूंकि वे बेरोजगार हैं। बड़ी संख्या में लोगों के अपराध में लिप्त होने से सुरक्षा का खर्च बढ़ता है, देश पर पुलिस का खर्च बढ़ता है, नागरिकों में असुरक्षा की भावना विकसित होती है और सामाजिक और पारिवारिक ढांचा विघटित होता है। देश में असुरक्षित वातावरण के कारण विदेशी कम्पनियां भी निवेश करने से कतराती हैं।

इसलिए यदि हम छोटे उद्योगों से बने माल के ऊंचे दाम को सहन करें तो इस भार के बावजूद आर्थिक विकास हासिल होता है। सामाजिक वातावरण आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और निवेश के अनुकूल स्थापित हो जाता है। इसके विपरीत यदि हम बड़े उद्योगों से उत्पादन कराएं तो बेरोजगारी और अपराध दोनों बढ़ते हैं। यद्यपि बाजार में सस्ता माल उपलब्ध होता है परन्तु अर्थव्यवस्था कमजोर पड़ती है क्योंकि अपराध बढ़ते हैं। इसके अतिरिक्त , बेरोजगारों को न्यूनतम सुरक्षा देने को मनरेगा जैसे कार्यक्रमों पर सरकार को खर्च भी अधिक करना पड़ता है। मनरेगा पर खर्च की गयी रकम मूल रूप से अनुत्पादक कार्यों में लगती है। वही रकम यदि छोटे उद्योगों को लगाने में लगायी जाये तो उत्पादन बढ़ेगा। अतएव केवल बड़े उद्योगों के सहारे आर्थिक विकास की नीति विफल होने की संभावना ज्यादा है। पिछले 6 वर्षों में हमारी आर्थिक विकास दर गिरने का यह एक बड़ा कारण दिखता है।

छोटे उद्योगों को जीवित रखने के लिए कोशिश हो कि उनकी उत्पादन लागत कम आये। इसके लिए ऋण देने के अतिरिक्त ठोस कदम उठाने होंगे। यूरोपीय यूनियन की छोटे उद्योगों की गाइड बुक में सुझाव दिया गया है कि छोटे उद्योगों को ट्रेनिंग, रिसर्च एवं सूचना उपलब्ध करने के लिए उनके गुट अथवा क्लस्टर बनाने चाहिए और इन क्लस्टरों का संचालन छोटे उद्योगों के अपने संगठनों के हाथ में दे देना चाहिए। जैसे वाराणसी में यदि बुनकरों को समर्थन देना है तो वाराणसी के बुनकरों के संगठन के माध्यम से उन्हें ट्रेनिंग, रिसर्च और सूचना उपलब्ध कराई जाए। उनके संगठन को सही ज्ञान होता है कि किस प्रकार की तकनीक की जरूरत है और किस प्रकार की ट्रेनिंग कामयाब होगी। यदि यही कार्य किसी एनजीओ अथवा किसी सरकारी तंत्र के माध्यम से कराया जाता है तो उन्हें जमीनी स्थिति का ज्ञान नहीं होता। तमाम एनजीओ ऐसी योजनाओं में अपनी रोटी सेंक रहे हैं। इस दिशा में भारत सरकार की नीति विपरीत दिशा में दिख रही है। छोटे उद्योगों के परिसंघ के सचिव अनिल भारद्वाज के अनुसार सरकार द्वारा छोटे उद्योगों की समस्याओं के निवारण के लिए जो बोर्ड बनाये गये हैं, उसमें पूर्व में छोटे उद्योगों के संगठनों के प्रतिनिधियों को पर्याप्त स्थान दिया जाता था। *-भरत झुनझुनवाला*

युवा इंजीनियरों के लिए बिजनेस प्रोसेस ऑटोमेशन में प्रोग्राम

नई दिल्ली। आईटी सॉल्यूशन कंपनी कोफोर्ज लिमिटेड और एडटेक कंपनी टैलेंटस्प्रिंट ने नए इंजीनियरिंग स्नातकों को बिजनेस प्रोसेस ऑटोमेशन और लो-कोड प्लेटफॉर्म में दक्ष प्रोफेशनल बनाने के लिए समर स्कूल प्रोग्राम की घोषणा की है। इन कंपनियों ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह आईटी करियर बनाने के इच्छुक युवा प्रोफेशनलों के लिए एक अवसर है। 10वीं, 12वीं और बीटेक/बीई में कम से कम 60 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले 2020 या 2021 के इंजीनियरिंग

ग्रेजुएट 15 जून से शुरू होने जा रहे इस तीन महीने के समर स्कूल प्रोग्राम का हिस्सा बन सकते हैं। इसके लिए आवेदन स्वीकारे जा रहे हैं। प्रोग्राम में 250 लोगों को शामिल किया जाएगा। सफल छात्रों को कोफोर्ज में करियर शुरू करने का मौका मिलेगा।

मार्केट्स एंड मार्केट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर लो-कोड डेवलपमेंट प्लेटफॉर्म (एलसीडीपी) का कारोबार 2020 में 13.2 अरब डॉलर था, जिसके 28 प्रतिशत से ज्यादा की सालाना वृद्धि के साथ 2025 तक 45.5 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। महामारी के कारण पैदा हुए नए हालात में अपने इनोवेशन और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एजेंडा पर बढ़ने के लिए ज्यादा से कंपनियां लो-कोड प्लेटफॉर्म की ओर से रुख करेंगी, जिससे इस सेक्टर को फायदा होगा।

गार्टनर का अनुमान है कि 2025 के अंत तक लो-कोड प्लेटफॉर्म के क्षेत्र में आधे से ज्यादा मांग गैर आईटी सेक्टर से आएगी। अनुमान है कि बिजनेस ऑटोमेशन की बढ़ती जरूरत से 2022 तक एलसीडीपी की मांग में तेज उछाल आएगात्र वैश्विक बीपीएम/बीपीए मार्केट भी 12.2 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए 2020 के 9.8 अरब डॉलर से 2026 तक 19.6 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर महेश कुमार जैन का कार्यकाल बढ़ा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर महेश कुमार जैन का कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा दिया। आरबीआई के अनुसार श्री जैन का मौजूदा कार्यकाल इस वर्ष 21 जून को समाप्त होने के बाद उन्हें 22 जून से दो साल के लिए या अगला आदेश आने तक के लिए, इनमें से जो भी पहले होगा, फिर से डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है।

श्री जैन को जून 2018 में तीन साल के लिए डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया था। वह आरबीआई में नियुक्ति से पहले आईडीबीआई बैंक के प्रबंध निदेशक थे। उन्होंने आईडीबीआई बैंक से जुड़ने से पहले इंडियन बैंक का नेतृत्व किया था।

नेक्सॉन के चुनिंदा वेरिएंट बंद करेगी टाटा मोटर्स

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने कॉम्पैक्ट एसयूवी नेक्सॉन के चुनिंदा वेरिएंट को बंद करने का फैसला किया है। ऑटोमेकर ने एक बयान में कहा, अपने ग्राहकों के लिए विकल्पों को आसान बनाने को लेकर टाटा मोटर्स ने चुनिंदा वेरिएंट को बंद करने और अन्य में अपडेट पेश करने का विकल्प चुना है। वर्तमान में नेक्सॉन 20 वेरिएंट में उपलब्ध है, जो विभिन्न मूल्य बिंदुओं पर अलग-अलग विशेषताओं के साथ पेश की जाती है। कॉम्पैक्ट एसयूवी अपने सेगमेंट में सबसे अधिक पसंद की जाने वाली कार में से एक है। कंपनी के मुताबिक, फिलहाल नेक्सॉन की रेंज में पेट्रोल में 12 वेरिएंट और डीजल में आठ वेरिएंट ऑटोमैटिक और मैनुअल ट्रांसमिशन ऑप्शन के साथ शामिल हैं। न्यू फॉरएवर के अपने ब्रांड वादे को ध्यान में रखते हुए और ग्राहकों को अधिक वैल्यू प्रदान करने के उद्देश्य से, टाटा मोटर्स बाजार की प्रतिक्रिया के अनुरूप समय-समय पर ट्रिम्स और वेरिएंट के अपने पोर्टफोलियो को परिष्कृत और ताजा करती रहती है।

ब्रांड फाइनेंस रिपोर्ट में जियो भारत का सबसे मजबूत ब्रांड नामित

नई दिल्ली। भारतीय ब्रांडों पर ब्रांड फाइनेंस की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, दूरसंचार और डिजिटल संचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी रिलायंस जियो भारत का सबसे मजबूत ब्रांड है।

ब्रांड फाइनेंस के अनुसार, जियो दुनिया का सबसे मजबूत टेलीकॉम ब्रांड भी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि केवल 2016 में स्थापित होने के बावजूद, जियो तेजी से भारत में सबसे बड़ा मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटर बन गया है और लगभग 400 मिलियन ग्राहकों के साथ दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटर बन गया

है।

सस्ती योजनाओं वाली कंपनी ने भारत में लाखों उपयोगकर्ताओं को मुफ्त में 4जी की पेशकश की और साथ ही साथ भारतीय इंटरनेट का उपभोग करने के तरीके को बदल दिया - जिसे जियो प्रभाव के रूप में जाना जाता है।

जैसा कि ब्रांड की ताकत ब्रांड वैल्यू के प्रमुख ड्राइवरों में से एक है, इस साल जियो पहली बार भारत के शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान ब्रांडों में से एक है।

ब्रांड फाइनेंस के वैल्यूएशन डायरेक्टर सेवियो डिसूजा ने कहा, देशभर में जियो ब्रांड का प्रभुत्व ब्रांड फाइनेंस के मूल बाजार अनुसंधान के परिणामों से स्पष्ट है। जियो सभी मेट्रिक्स में भारत में अपने टेलीकॉम प्रतियोगियों की तुलना में उच्चतम स्कोर पर है।

देश के जियो के अलावा पांच सबसे मजबूत ब्रांडों में ताज, मारुति सुजुकी, एचडीएफसी बैंक और ब्रिटानिया शामिल हैं।

इसके अलावा, टाटा समूह ने 21.3 अरब डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ भारत के सबसे मूल्यवान ब्रांड का खिताब बरकरार रखा है।

वर्ष 2050 तक 311लाख करोड़ के लॉजिस्टिक ईंधन की बचत कर सकता है भारत

नई दिल्ली। कुशल रेल आधारित परिवहन, लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला के अधिकतम उपयोग तथा बिजली और अन्य स्वच्छ ईंधन वाहनों में बदलाव जैसे अवसरों का लाभ उठा कर भारत अगले तीन दशकों में 311 लाख करोड़ रुपये की बचत कर सकता है। नीति आयोग, आरएमआई और आरएमआई इंडिया की नई रिपोर्ट, भारत में फास्ट ट्रैकिंग फ्रेट- स्वच्छ और लागत प्रभावी माल परिवहन के लिए एक रोडमैप रिपोर्ट में यह कहा गया है।

वस्तुओं और सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण भविष्य में माल परिवहन में वृद्धि की उम्मीद की जाती है। यद्यपि माल परिवहन आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है लेकिन यह ऊंची लॉजिस्टिक लागत से ग्रस्त है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत में अपनी लॉजिस्टिक लागत में जीडीपी के 4 प्रतिशत तक कमी लाने की क्षमता। 2020-2050 के बीच संचयी कार्बन के 10 गीगाटन बचाने की क्षमता। 2050 तक नाइट्रोजन ऑक्साइड(एनओएक्स) और कण पदार्थ क्रमशः 35 प्रतिशत और 28 प्रतिशत तक घटाने की क्षमता।

अलिना राय बनाना चाहती हैं अपनी पहचान, साइन की दो फिल्में

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा कटरीना कैफ ने अपनी दिलकश अदाओं का जादू हर किसी पर चलाया है, लेकिन पिछले कुछ समय से उनकी जैसी दिखने वाली एक मॉडल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। दरअसल, सोशल मीडिया स्टार और मॉडल अलिना राय काफी हद तक दिखने में कटरीना जैसी हैं। इस कारण उनके काफी चर्चे भी हो रहे हैं। हालांकि, कटरीना की हमशक्ल से फेमस हो चुकी अलिना अब अपनी अलग पहचान बनाना चाहती हैं।

अलिना के अनुसार वह किसी की तरह नहीं दिखती। अलिना ने कहा, मैं जब मुंबई आई तो लोग मुझे कटरीना की कार्बन कॉपी कहने लगे। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे सिर्फ मेरे लुक से पहचाने। आगे उन्होंने कटरीना की तारीफ करते हुए कहा, मैं उनके काम और जज्बे का सम्मान करती हूं। लेकिन मैं कटरीना की हमशक्ल के रूप में नहीं, बल्कि अलिना राय से पहचान बनाने आई हूं।

अलिना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने चाहने वालों के

साथ अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। कई जगहों पर उन्होंने कटरीना जैसे पोज भी दिए हैं। जिसमें बिल्कुल अभिनेत्री जैसी दिख रही हैं। अलिना का सफर टिक-टॉक से शुरू हुआ था, जहां उनकी बहुत वीडियो वायरल हुई। इंस्टाग्राम पर अभी उनके एक लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं, जिनकी संख्या बढ़ रही है।

अलिना को रैपर बादशाह की सुपरहिट म्यूजिक वीडियो कमाल है में देखा गया था। यहीं से उन्हें पहचान मिलनी शुरु हुई। इस वीडियो से अलिना ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था। इस कारण काफी चर्चा में आई थीं। इस वीडियो में अलिना को देखकर कई लोग पहली बार में उन्हें कटरीना ही समझ बैठे थे। हालांकि, कुछ ही देर में यह अहसास हो गया कि वह कटरीना नहीं, बल्कि उनकी हमशक्ल हैं।

मनोज मुंतशिर की अगली फिल्म में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड की देसी गर्ल कही जाने वाली मशहूर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को पिछले काफी समय से बॉलीवुड की किसी फिल्म में नहीं देखा गया है। प्रियंका चोपड़ा की पिछली रिलीज फिल्म द स्काई इज पिंक थी। जिसमें मुख्य किरदार के रूप में प्रियंका चोपड़ा के अलावा फरहान अख्तर नजर आए थे। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई थी। लेकिन इसकी कहानी को काफी पसंद किया गया था। अब अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के भारतीय दर्शक चाहते हैं कि, वो जल्द ही

बॉलीवुड की किसी फिल्म में काम करें। हालांकि इसी बीच अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के चाहने वालों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है।

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही बॉलीवुड की एक फिल्म में नजर आने वाली हैं। ताजा खबरों के अनुसार ऐसा कहा जा रहा है बॉलीवुड के मशहूर राइटर मनोज मुंतशिर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के काम से काफी ज्यादा प्रभावित हैं। हाल ही में खास बातचीत में मनोज मुंतशिर ने बताया कि वो रानी अहिल्याबाई होल्कर पर एक फिल्म का निर्माण करने जा रहे हैं और इसमें वो बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा को कास्ट करना चाहते है। मनोज मुंतशिर ने बताया कि, रानी अहिल्याबाई के किरदार के लिए जो आग, कौशल और आत्मविश्वास चाहिए वो प्रियंका में ही है।

जीवन में एक बार भगत सिंह का किरदार निभाना काफी नहीं: अजय देवगन

बॉलीवुड स्टार अजय देवगन ने 19 साल पहले अपनी फिल्म द लीजेंड ऑफ भगत सिंह की रिलीज का जश्न मनाने के लिए सोमवार को एक इंस्टाग्राम नोट पोस्ट किया। फिल्म 7 जून 2002 को सिनेमाघरों में आई।

अजय ने एक तस्वीर जिसमें उन्हें शहीद भगत सिंह के रूप में दिखाया गया है, उसके साथ लिखा, अपने जीवनकाल और करियर में एक बार भगत सिंहजी जैसे क्रांतिकारी की भूमिका

निभाना पर्याप्त नहीं है। आपको उन्हें लगातार वहां रखने की आवश्यकता है .. आखिरकार, ये वही हैं जिन्होंने अपने (खून) से इतिहास लिखा है। हैशटैग 19 इयर्स ऑफ द लीजेंड ऑफ भगत सिंह हैशटैग राजकुमारसंतोष। अजय ने अपनी अभिनीत भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार जीता, जबकि राजकुमार संतोषी निर्देशित फिल्म को हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

आज का राशिफल

मेषः आज आपके तन और मन का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खर्च की चिंता से मन अशांत रह सकता है। वाणी पर संयम रखना अतिआवश्यक है।

वृषः शारीरिक व मानसिक रूप से स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। उत्साह एवं आपके चौकसी के गुण किसी भी कार्य को बेहतर रूप से संपन्न करवाने में सहायक होंगे।

मिथुनः आज आपका दिन शारीरिक एवं मानसिक अस्वस्थता के साथ व्यग्रतापूर्ण तरीके से बीतेगा। शारीरिक कष्ट, विशेषकर आँखों में पीड़ा होने की संभावना है।

ककर्ः आप का दिन आनंद व उल्लास में बीतेगा। व्यापार में लाभ होगा व आय के स्रोत में बढ़ोतरी हो सकती है। मित्रों से हुई मुलाकात से आनंद का अहसास होगा।

सिंहः आपके दृढ़ मनोबल एवं भरपूर आत्मविश्वास से हर कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो पाएगा। व्यवसाय के क्षेत्र में आपकी प्रतिभा बढ़ सकती है। पदोन्नति संभवतः है।

कन्याः आज का आप का दिन बहुत शुभ है। धार्मिक कार्य एवं यात्रा के लिए समय बिलकुल अनुकूल है। मित्रों एवं संबंधियों से हुई मुलाकात के कारण आनंद होगा।

तुलाः अपनी वाणी पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों, क्रोध एवं कामवृत्तियों से परे रहें। नए संबंध अनिष्टकारक हो सकते हैं। आर्थिक संकट आ सकता है।

वृश्चिकः आज आप सामान्य दैनिक कार्यों को भुलाकर आनंद-प्रमोद में खोए रह सकते हैं। ऐसा गणेशजी को प्रतीत होता है। किसी मनोरंजन स्थल या पर्यटनस्थल पर जाने से मन अतिप्रसन्न होगा।

धनुः आज का दिन आपके लिए हर्षोल्लास का रहेगा। परिवार में आनंद का वातावरण छाया रहेगा, जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा।

मकरः आज आप में भरे हुए निर्णायत्मकता के अभाव व मन के चिंताग्रस्त होने से असमंजस में रहोगे। संतानों के साथ मतभेद होने की संभावना है व उनके आरोग्य की चिंता रहेगी।

कुंभः आज आपका मन बहुत संवेदनशील रहेगा एवं मानसिक रुप से अस्वस्थ रहेगें। विद्योपार्जन करनेवालों को विद्याप्राप्ति में सफलता मिलेगी।

मीनः अत्यावश्यक निर्णयों के लिए दिन अति उत्तम है। आपकी सृजनात्मक शक्ति यों में वृद्धि होगी। वैचारिक दृढ़ता एवं मानसिक स्थिरता के कारण कार्यसफलता में सरलता होगी।

बहुत ही टेस्टी स्नैक्स है गुड़ मखाना

छोटी-छोटी लगने वाली भूख को कंट्रोल करना या कुछ भी खा लेना दोनों ही गलत हैं लेकिन अगर आप इसकी जगह कुछ हेल्दी खाते हैं तो ये सेहत के लिए हर तरह से है सही। तो आज ऐसी ही एक रेसिपी जानेंगे।

सामग्री :

100 ग्राम मखाने, 50 ग्राम या स्वादानुसार गुड़ का चूरा, 2 टेबलस्पून शुद्ध घी, 1/2 टीस्पून छोटी इलायची पाउडर

विधि :

सबसे पहले एक टेबलस्पून घी में मखाने कुरकुरे होने तक भूनें और प्लेट में निकाल कर ठंडा करें। फिर कड़ाही में गुड़, 1 टेबलस्पून घी, 2 टेबलस्पून पानी डालकर गुड़ पिघला लें और उसे एक मिनट तक पकने दें। फिर इलायची पाउडर डालें। इसके बाद भूने मखाने डालें और सब चीज़ें अच्छी तरह मिलने पर गैस बंद कर दें। एक प्लेट में मखाने निकालें और अलग-अलग कर लें। ठंडा होने पर डिब्बे में रखें।

टिप्स-

गुड़ की जगह आप ब्राउन शुगर भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

शब्द सामर्थ्य- 106

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

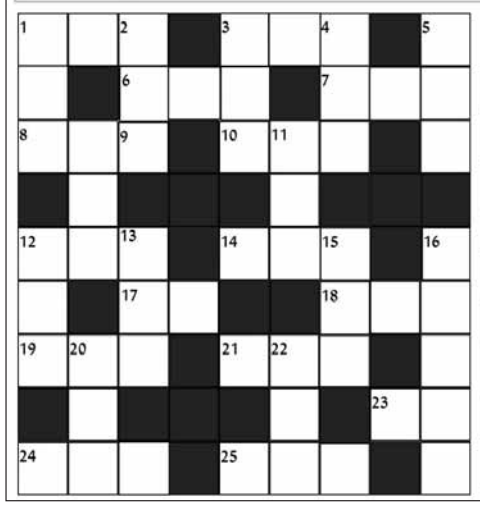

शब्द सामर्थ्य क्रमांक105 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

सू-दोकू- 106

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.105 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6